राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, समेलिया

प्री बोर्ड उच्च माध्यमिक परीक्षा-2025

कक्षा-12

विषय :- हिन्दी साहित्य

समय: 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश-

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।

3. प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उनके उत्तर एक साथ ही लिखें।

5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

<u>खण्ड-अ</u>

1. बहुविकल्पात्मक प्रश्न (i से xv)- **(1×15=15)**

(i) अमेरिका ने क्या घोषणा की है? **1**

(अ) वह अपनी खाऊ-उजाडू जीवन पद्धति नहीं छोड़ेंगा **(ब) वह आणविक शक्ति परीक्षण छोड़ेंगा**

(स) वह सम्पूर्ण विश्व पर शक्ति आजमायेगा। **(द) सम्पूर्ण विश्व को अपना गुलाम बनायेगा**

(ii) "तो हम सौ लाख बार बनाएंगे" यह कथन किसका है? **1**

(अ) सुभागी का **(ब) जगधर का** **(स) सूरदास का** **(द) नायकराम का**

(iii) गाँव, शहर की तरह सुविधायुक्त नहीं होते तो किस पर निर्भर रहते हैं? **1**

(अ) खेती पर **(ब) उद्योग पर** **(स) प्रकृति पर** **(द) शहर पर**

(iv) झोंपड़ी की राख में खोजते हुए सूरदास सहसा क्यों उछल पड़ा? **1**

(अ) उसे रुपयों की पोटली मिल गई। **(ब) कोई भारी चीज हाथ लगी**

(स) रुपयों की पिघली हुई चाँदी मिल गई। **(द) उसे बरतन मिल गये।**

(v) 'डोंड़हा और मजगिदवा' किसकी प्रजाति हैं? **1**

(अ) घास की **(ब) साँप की** **(स) फसल की** **(द) फल की**

(vi) 'खेलत खुनिस न कबहूँ देखी' पंक्ति में राम की किस विशेषता की ओर संकेत किया गया है? **1**

(अ) राम कभी क्रोधित नहीं हुए। **(ब) राम ने कभी ईर्ष्या नहीं की**

(स) राम शान्त स्वभाव के नहीं हैं। **(द) राम ने अपराधी पर कभी क्रोध व अप्रसन्नता नहीं की**

(vii) विद्यापति किस राजा के अभिन्न मित्र, राजकवि एवं सलाहकार थे? **1**

(अ) चित्तौड़ के राजा रत्नसेवर **(ब) महाराज इंद्रजीत सिंह**

(स) मिथिला नरेश शिवसिंह **(द) महाराज वीर सिंह देव**

(viii) 'दिशा' कविता का विषय है- **1**

(अ) प्रकृति चित्रण **(ब) मानवीय संवेदना** **(स) बाल मनोविज्ञान** **(द) दिशाओं का ज्ञान**

(ix) 'दूसरा देवदास' कहानी में 'नीलांजलि' किसे कहा गया है? **1**

(अ) मनौतियों हेतु बहाये गये दोनों को **(ब) गोताखोर को**

(स) गंगा माता को जोड़े गये हाथों को **(द) पीतल दीपकों की पंक्ति जिसमें हजारों बतियाँ जलायी जाती हैं।**

(x) 'जहाँ कोई वापसी नहीं' यात्रा-वृतांत की मूल संवेदना है- **1**

(अ) विस्थापन की समस्या **(ब) गरीबों का शोषण**

(स) भ्रष्टाचार की समस्या **(द) गिरते मानवीय मूल्य**

(xi) हरगोबिन संवदिया के बारे में गाँव के लोगों की क्या धारणा थी? 1

(अ) संवदिया ईमानदार है (ब) संवदिया बहुत मेहनती है

(स) संवदिया कामचोर एवं निठल्ला है (द) उसका बड़ा परिवार है

(xii) नाटक का सबसे जरूरी व सशक्त माध्यम कौनसा है? 1

(अ) कथ्य (ब) अंक (स) समय (द) संवाद

(xiii) पत्रकार, पत्रकारीय लेखन के लिए कच्चा माल किसके जरिये एकत्रित करते हैं? 1

(अ) साक्षात्कार या इंटरव्यू (ब) स्तम्भ (स) फ़ीचर (द) उपरोक्त सभी

(xiv) कारोबार और व्यापार से सम्बन्धित खबर का सम्बन्ध किससे है? 1

(अ) कृषि क्षेत्र (ब) आर्थिक क्षेत्र (स) खेल क्षेत्र (द) राजनीतिक क्षेत्र

(xv) विशेष क्षेत्र से जुड़ी घटनाओं, मुद्दों तथा समस्याओं का सूक्ष्म विश्लेषण करके उसे पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, ऐसी रिपोर्ट क्या कहलाती है? 1

(अ) सार्वजनिक रिपोर्ट (ब) व्यक्तिगत रिपोर्ट (स) विशेष रिपोर्ट (द) उपरोक्त सभी

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (i से vi)- (1×6=6)

(i) 'सघन कुंज, छाया सुखद, शीतल मंद समीर।' पंक्ति में ..... काव्य गुण है। 1

(ii) काव्य में जहाँ ..... के विरुद्ध क्रम होता है, वहाँ दुष्क्रमत्व दोष होता है। 1

(iii) हरिगीतिका मात्रिक ..... छंद है। 1

(iv) सबैया छंद के ..... भेद माने जाते हैं। 1

(v) जहाँ कारण के होने पर भी कार्य का न होना पाया जाए वहाँ ..... अलंकार होता है। 1

(vi) निन्दक नियरे राखिये, आगन कुटी छवाय। 1

बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करै सुभाय।। काव्य पंक्ति में ..... अलंकार है।

3. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (1×6=6)

आज हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता राष्ट्रीय चरित्र का पुनर्मूल्यांकन है। भारत नारों और बिल्लों पर नहीं रह सकता, उसे जीने के लिए ठोस आधार चाहिए। यह ठोस आधार युवा पीढ़ी को अनुप्राणित किये बिना, राष्ट्र की आत्मा को जगाये बिना प्राप्त नहीं किया जा सकता। विदेशी मुद्रा, विदेशी मशीन या विदेशी पूँजी के आयात से त्याग, परिश्रम और अनुशासन के भाव की पूर्ति नहीं की जा सकती, आत्म-विश्वास और राष्ट्रीय चरित्र नहीं गढ़ा जा सकता। स्वतन्त्रता के पश्चात् हम जिस तेजी से आसानी की ओर भागे उसी कारण आज हमारी कठिनाइयों में वृद्धि हुई है। समस्याओं की चुनौती स्वीकार न करके हम उनका विकल्प खोजने में लग रहे हैं। आज आवश्यकता एक मनस्वी, राष्ट्रप्रेमी, स्वावलम्बी और अनुशासित राष्ट्रीय-चरित्र के विकास की है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

(ii) राष्ट्रीय विकास करने में कौन सक्षम है? 1

(iii) राष्ट्रीय चरित्र के विकास के लिए किसकी आवश्यकता है? 1

(iv) स्वतंत्रता पश्चात् हमारी कठिनाइयों में वृद्धि क्यों हुई है? 1

(v) विदेशी मुद्रा एवं मशीनों के आयात से क्या नहीं हो सकता है? 1

(vi) राष्ट्रीय जागरण के लिए क्या करना जरूरी है? 1

4. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (1×6=6)

मैं नव मानवता का सन्देश सुनाता,
स्वाधीन लोक की गौरव गाथा गाता
मैं मनःक्षितिज के पार मौन शाश्वत की,
प्रज्वलित भूमिका ज्योतिवाह बन आता!

मिट्टी के पैरों से भव-क्लांत जनों को
स्वप्नों के चरणों पर चलना सिखलाता,
तापों की छाया से कलुषित अन्तर को
उन्मुक्त-प्रकृति का शोभा वक्ष दिखाता !
मैं गीत विहग विहग, निज मर्त्य नीड़ से उड़कर
चेतना गगन में मन के पर फैलाता,
मैं अपने अन्तर का प्रकाश बरसाकर
जीवन के तम को स्वर्णिम कर नहलाता।

(i) प्रस्तुत पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए- 1

(ii) रेखांकित शब्द का अर्थ लिखिए। 1

(iii) 'गीत-विहग' कहाँ से उड़कर कहाँ और क्यों फैलता है? 1

(iv) "मैं नव-मानवता का सन्देश सुनाता" इसमें 'नव-मानवता' से कवि का क्या आशय है? 1

(v) इस काव्यांश में कवि ने लोगों को क्या सन्देश दिया है? 1

(vi) "प्रज्वलित भूमिका ज्योतिवाह बन आता" इस पंक्ति का आशय बताइए। 1

खण्ड-ब

निर्देशः- प्रश्न संख्या 5 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम उत्तर शब्द सीमा 40 शब्द है।

5. 'चार हाथ' कहानी शोषित वर्ग की पीड़ा को उजागर करती है। स्पष्ट कीजिए। 2

6. 'भीष्म साहनी' ने नेहरू जी को देखकर कौनसी बचकाना हरकत की और क्यों? 2

7. 'यह द्वीप अकेला' कविता में व्यष्टि एवं समष्टि के सन्तुलन को आवश्यक माना गया है क्यों? 2

8. "दुःख ही जीवन की कथा रही।" इस पंक्ति के माध्यम से कवि की मनोदशा व्यक्त कीजिए। 2

9. कोइयाँ क्या है? इसकी विशेषताएँ लिखिए। 2

10. लेखक प्रभाष जोशी ने अपने लिए त्रासदायी प्रतीति क्या बतायी? 2

11. अन्योक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

12. लेखक कहानी का उद्देश्य किस प्रकार निर्धारित करता है? 2

13. साक्षात्कार (इंटरव्यू) से आप क्या समझते हो? 2

14. फ्री-लांस पत्रकार किन्हें कहते हैं? 2

15. कवि घनानन्द अथवा पं. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का साहित्यिक परिचय दीजिए। 2

खण्ड-स

निर्देशः- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए।

16. बारहमासा की नायिका 'नागमती की विरह-वेदना' अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए। 3

अथवा

घनानन्द के कवित्त के अनुसार सिद्ध कीजिए कि घनानन्द अपनी प्रेयसी सुजान से अत्यधिक प्रेम करते थे।

17." इस भीड़ में एकसूत्रता थी न जाति का महत्त्व था न भाषा का" इस कथन को दूसरा देवदास कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

18. 'तुम खेल में रोते हो'- इस कथन का सूरदास पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

'बिस्कोहर की माटी' आत्मकथांश में लेखक ने ग्रामीण प्राकृतिक सुषमा और सम्पदा का सुन्दर वर्णन किया है। पठित पाठ के आधार पर इसे अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड-द

19. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **5**

कभी-कभी किसी इलाके की सम्पदा ही उसका अभिशाप बन जाती है। दिल्ली के सत्ताधारियों और उद्योगपतियों की आँखों से सिंगरौली की अपार खनिज सम्पदा छिपी नहीं रही। विस्थापन की एक लहर रिहंद बाँध बनने से आई थी, जिसके कारण हजारों गाँव उजाड़ दिए गए थे। इन्हीं नयी योजनाओं के अन्तर्गत सेंट्रल कोल फील्ड और नेशनल सुपर थर्मल पॉवर कॉरपोरेशन का निर्माण हुआ। चारों तरफ पक्की सड़कें और पुल बनाए गए। सिंगरौली, जो अब तक अपने सौंदर्य के कारण 'बैकुंठ' और अपने अकेलेपन के कारण 'काला पानी' माना जाता था, अब प्रगति के मानचित्र पर राष्ट्रीय गौरव के साथ प्रतिष्ठित हुआ।

अथवा

अपने में सब और सबमें आप इस प्रकार की एक समष्टि-बुद्धि जब तक नहीं आती, तब तक पूर्ण सुख का आनन्द भी नहीं मिलता। अपने आपको दलित द्राक्षा की भाँति निचोड़कर जब तक 'सर्व' के लिए निछावर नहीं कर दिया जाता तब तक 'स्वार्थ' खंड-सत्य है, वह मोह को बढ़ावा देता है, तृष्णा को उत्पन्न करता है और मनुष्य को दयनीय कृपण बना देता है। कार्पण्य दोष से जिसका स्वभाव उपहत हो गया है, उसकी दृष्टि प्लान हो जाती है। वह स्पष्ट नहीं देख पाता। वह स्वार्थ भी नहीं समझ पाता, परमार्थ तो दूर की बात है।

20. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **5**

यह दीप अकेला स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।
यह जन है-गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गाएगा?
पनडुब्बा-ये मोती सच्चे फिर कौन कृती लाएगा?
यह समिधा-ऐसी आग हठीला बिरला सुलगाएगा।
यह अद्वितीय-यह मेरा-यह मैं स्वयं विसर्जित-
वह दीप, अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।

अथवा

जननी निरखति बान धनुहियाँ।
बार बार उर नैननि लावति प्रभुजू की ललित पनहियाँ ।।
कबहुँ प्रथम ज्यों जाइ जगावति कहि प्रिय बचन सवारे।
"उठहु तात ! बलि मातु बदन पर, अनुज सखा सब द्वारे"।।
कबहुँ कहति यों "बड़ी बार भइ जाहु भूप पहँ, भैया।
बंधु बोलि जेंइय जो भावै गई निछावरि मैया" ।
कबहुँ समुझि वनगमन राम को रहि चकि चित्रलिखी सी।
तुलसीदास वह समय कहे तें लागति प्रीति सिखी सी ।।

21. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लिखिए। **6**

(अ) राष्ट्रभाषा हिन्दी की गरिमा एवं भविष्य
(ब) विद्यार्थी जीवन में नैतिक शिक्षा की उपयोगिता
(स) राजस्थान के पर्यटन स्थल
(द) विद्यार्थी-जीवन में इन्टरनेट की भूमिका

****